दिनांक: 17 नवंबर 2023

भारत में संसदीय सत्र

इस लेख में "दैनिक समसमायिकी मामलों" और विषय विवरण में "भारत में संसदीय सत्र " शामिल हैं। यह विषय संघ लोक सेवा आयोग के सिविल सेवा परीक्षा के राजनीति और शासन अनुभाग में प्रासंगिक है।

मुख्य परीक्षा के लिए-

- *सामान्य अध्ययन- 2: राजनीति और शासन*

सुर्खियों में क्यों?

- हाल ही में, संसद का शीतकालीन सत्र की तैयारी चल रही हैं जो 4 दिसंबर से शुरू होगा और 22 दिसंबर तक चलेगा।

प्रमुख बिन्दु:

- भारत में संसदीय सत्र, जैसा कि संविधान के भाग-5 (अनुच्छेद 79-122) में वर्णित है, विधायी गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण अवधि हैं। संसद के कामकाज की व्यापक समझ के लिए उसके संगठन, संरचना, अवधि, अधिकारियों, प्रक्रियाओं, विशेषाधिकारों और शक्तियों की सूक्ष्म समझ आवश्यक है।

सत्र:

- **बजट सत्र (फरवरी से मई):** मुख्य रूप से बजटीय विचार-विमर्श पर केंद्रित।
- **मानसून सत्र (जुलाई से सितंबर):** विधायी मुद्दों की एक विविध श्रृंखला को संबोधित करता है।
- **शीतकालीन सत्र (नवंबर से दिसंबर):** विशिष्ट एजेंडा मदों पर केंद्रित।

सत्र संरचना:

बैठक:

- एक सत्र में कई बैठकें होती हैं, जिनमें से प्रत्येक में दो बैठकें होती हैं – एक सुबह (11 बजे से दोपहर 1 बजे) और दूसरी दोपहर के भोजन के बाद (दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे)

आहूत करना:

- आहूत करने में संसद के सभी सदस्यों को आहूत करना शामिल है।
- यह भारतीय राष्ट्रपति की जिम्मेदारी है कि वह समय-समय पर संसद के प्रत्येक सदन को बुलाए।
- संसद को वर्ष में कम से कम दो बार बैठक करनी होती है, जिसमें दो सत्रों के बीच अधिकतम अंतराल छह महीने से अधिक नहीं होता है।

स्थगन:

- स्थगन अस्थायी रूप से एक निर्दिष्ट अवधि के लिए एक बैठक के दौरान कार्यवाही को रोकता है, जो घंटों से लेकर दिनों या हफ्तों तक हो सकता है।
- एक स्थगन एक बैठक को समाप्त करता है लेकिन सदन के सत्र को समाप्त नहीं करता है।
- स्थगन का अधिकार सदन के पीठासीन अधिकारी के पास होता है।

अनिश्चित काल के लिए स्थगन:

- अनिश्चित काल के लिए स्थगन का अर्थ है संसद की बैठक को फिर से बुलाने की तारीख निर्दिष्ट किए बिना अनिश्चित काल के लिए समाप्त करना।
- जब सदन को फिर से इकट्ठा होने के लिए एक दिन निर्धारित किए बिना स्थगित कर दिया जाता है, तो इसे अनिश्चित काल के लिए स्थगन कहा जाता है।
- अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने की शक्ति सदन के पीठासीन अधिकारी के पास होती है।

सत्रावसानः

- सत्रावसान संविधान के अनुच्छेद 85 (2) (A) के तहत राष्ट्रपति के आदेश के माध्यम से सदन के सत्र को समाप्त करने को संदर्भित करता है।
- सत्रावसान से सदन की बैठक और सत्र दोनों समाप्त हो जाते हैं।
- आमतौर पर, पीठासीन अधिकारी द्वारा सदन को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने के तुरंत बाद, राष्ट्रपति सत्र को स्थगित करने के लिए एक अधिसूचना जारी करते हैं।
- हालांकि, राष्ट्रपति सत्र के दौरान सदन का सत्रावसान भी कर सकते हैं।

विघटनः

- विघटन मौजूदा सदन के कार्यकाल के समापन को चिह्नित करता है, जिससे आम चुनावों के बाद एक नए सदन का गठन होता है।
- राज्यसभा, एक स्थायी सदन होने के नाते, विघटन के अधीन नहीं है; केवल लोकसभा को भंग किया जा सकता है।
- लोकसभा का विघटन दो तरीकों से हो सकता हैः स्वतः विघटन या राष्ट्रपति के आदेश से।

दैनिक अभ्यास प्रश्न-

प्रश्न-01 संसद की बैठक बुलाने के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह सभा के पीठासीन अधिकारी की जिम्मेदारी है कि वह संसद के प्रत्येक सदन को आवधिक रूप से बुलाए।
2. संसद को साल में कम से कम दो बार बैठक करने की आवश्यकता होती है, जिसमें दो सत्रों के बीच अधिकतम अंतर छह महीने से अधिक नहीं होता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: B

प्रश्न-02. स्थगन और स्थगन अनिश्चित काल के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. स्थगन से बैठक समाप्त हो जाती है लेकिन सदन का सत्र समाप्त नहीं होता है।
2. जब सदन को पुन: सभा के लिए एक दिन निर्धारित किए बिना स्थगित कर दिया जाता है, तो इसे अनिश्चित काल के लिए स्थगन कहा जाता है।
3. अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की शक्ति राष्ट्रपति के पास होती है।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) उपयुक्त सभी
(d) उपर्युक्त में कोई नहीं

उत्तर: B

प्रश्न-03. लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसदीय सत्रों के महत्व और कार्यों पर चर्चा कीजिए। संसदीय सत्रों की संरचना प्रभावी शासन, विधायी प्रक्रियाओं और नागरिकों के हितों के प्रतिनिधित्व में कैसे योगदान देती है। विश्लेषण कीजिए?

Rajiv Pandey

2 + 2 मंत्रिस्तरीय वार्ता

इस लेख में "दैनिक वर्तमान मामले " और विषय विवरण "2 + 2 मंत्रिस्तरीय संवाद " शामिल है। यह विषय संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा के "अंतर्राष्ट्रीय संबंध" अनुभाग में प्रासंगिक है।

प्रारम्भिक परीक्षा के लिए:

- *क्या है 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता?*
- *2 + 2 बैठकों के प्रतिभागी कौन हैं?*

मुख्य परीक्षा के लिए:

- *सामान्य अध्ययन -2: अंतर्राष्ट्रीय संबंध*

सुर्खियों में क्यों?

- हाल ही में, भारत के रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री ने नई दिल्ली में आयोजित 2 + 2 मंत्रिस्तरीय वार्ता की पांचवीं वार्ता के लिए संयुक्त राज्य सरकार के अपने समकक्षों के साथ बैठक की।

2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता

- 2+2 बैठकों में भाग लेने वाले दोनों देशों के उच्च स्तरीय प्रतिनिधि शामिल होते हैं, विशेष रूप से विदेश मामलों और रक्षा के लिए जिम्मेदार मंत्री।
- इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य चर्चाओं की सीमा का विस्तार करना है, एक-दूसरे की रणनीतिक चिंताओं और संवेदनशीलताओं की बेहतर समझ को बढ़ावा देना है।
- यह तंत्र विशेष रूप से गतिशील वैश्विक वातावरण में एक अधिक मजबूत और एकीकृत रणनीतिक संबंध को बढ़ावा देता है।

भारत ने निम्नलिखित देशों के साथ 2 + 2 बैठकें आयोजित की हैं:

- **संयुक्त राज्य अमेरिका (5 बार)**
- **जापान (3 बार)**
- **ऑस्ट्रेलिया (2 बार)**
- **रूस (1 बार)**

भारत-अमेरिका 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता:

- भारत-अमेरिका 2 + 2 मंत्रिस्तरीय वार्ता 2018 से आयोजित एक वार्षिक कार्यक्रम है।

- नवीनतम बैठक 10 नवंबर, 2023 को नई दिल्ली में हुई, जो भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच मजबूत रणनीतिक गठबंधन का प्रतीक है।
- चर्चा में रक्षा सहयोग, व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी और भारत-प्रशांत क्षेत्र, आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक मुद्दों पर समन्वय सहित विविध विषयों को शामिल किया गया है।

भारत-जापान 2 + 2 मंत्रिस्तरीय वार्ता:

- भारत-जापान 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता 2019, 2021 और 2023 में तीन बार हो चुकी है।
- नवीनतम बैठक 8 मार्च, 2023 को टोक्यो में हुई।
- यह बैठक भारत और जापान के बीच अद्वितीय रणनीतिक साझेदारी को रेखांकित करती है।
- चर्चा में रक्षा सहयोग, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी और भारत-प्रशांत क्षेत्र और चतुर्भुज सुरक्षा वार्ता (क्वाड) में भागीदारी सहित क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर संरेखण शामिल है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया 2 + 2 मंत्रिस्तरीय वार्ता:

- 2020 में शुरू हुई भारत-ऑस्ट्रेलिया 2 + 2 मंत्रिस्तरीय वार्ता ने 11 सितंबर, 2023 को नई दिल्ली में अपनी दूसरी बैठक आयोजित की।
- यह बैठक भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी को दर्शाती है।
- चर्चा के विषयों में रक्षा सहयोग, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी और भारत-प्रशांत क्षेत्र और क्वाड सहित क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर समन्वय शामिल है।

भारत-रूस 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता:

- भारत ने 6 दिसंबर, 2021 को नई दिल्ली में रूस के साथ एक 2 + 2 बैठक की है।
- भारत और रूस के विदेश और रक्षा मंत्रियों ने बैठक में भाग लिया।
- यह दोनों देशों के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी का संकेत है।
- भारत और रूस के घनिष्ठ संबंधों का एक लंबा इतिहास है, और 2 + 2 बैठक रक्षा, सुरक्षा, व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न मुद्दों पर द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करने और मजबूत करने के लिए एक उच्च स्तरीय मंच प्रदान करती है।

भारतीय कूटनीति के लिए महत्व-

- 2+2 बैठकें भारत और उसके प्रमुख सहयोगियों के बीच रक्षा, सुरक्षा, व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न मुद्दों पर उच्च स्तरीय वार्ता की अनुमति देती हैं।
- यह भारत और उसके भागीदारों के बीच विश्वास और समझ बनाने में मदद करता है, जो द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए आवश्यक है।
- यह भारत के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र, आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन सहित क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों पर अपने सहयोगियों के साथ सहयोग करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।
- ये बैठकें अपनी रणनीतिक साझेदारी के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का जोरदार संकेत देती हैं।

yojnaias.com

स्त्रोत –
भारत, अमेरिका ने हिंद-प्रशांत, महत्वपूर्ण खनिजों और वैश्विक चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए 2 + 2 मंत्रिस्तरीय वार्ता आयोजित की

दैनिक अभ्यास प्रश्न-

प्रश्न-01 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. 2 + 2 बैठकों में विदेश मामलों और गृह मामलों के लिए जिम्मेदार मंत्री शामिल होते हैं।
2. यह चतुष्कोणीय सुरक्षा वार्ता का एक हिस्सा है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) उपरोक्त में कोई नहीं

उत्तर: A

प्रश्न-02. निम्नलिखित पर विचार करें:

1. संयुक्त राज्य
2. जापान
3. ऑस्ट्रेलिया
4. युनाइटेड किंगडम

ऊपर उल्लिखित कितने देशों की भारत के साथ 2 + 2 मंत्रिस्तरीय वार्ता है?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) केवल तीन
(d) उपरोक्त सभी

उत्तर: C

प्रश्न-03. जटिल भू राजनीतिक चुनौतियों को संचालित करने और रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए 2 + 2 संवाद कैसे महत्वपूर्ण हैं। चर्चा कीजिए?

Rajiv Pandey

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com